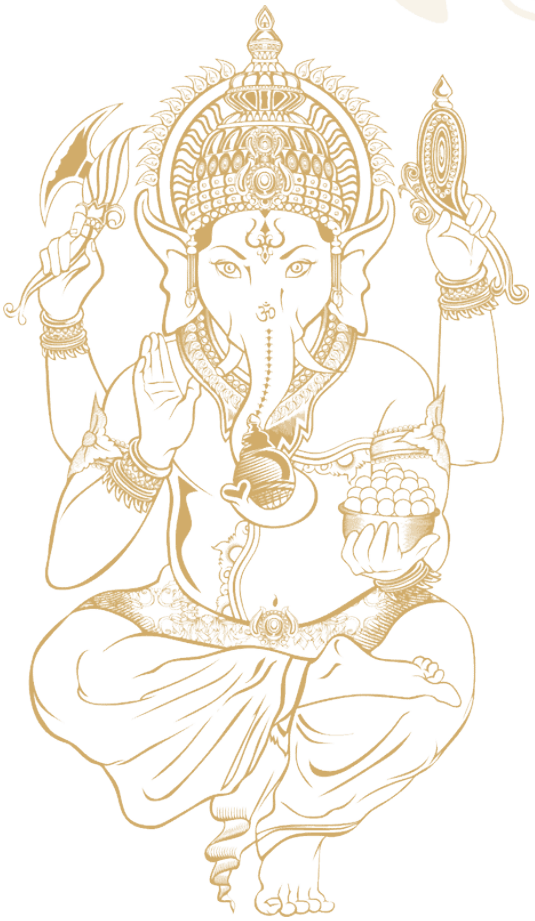

Samarth Vikram Singh

Akansha singh

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121657401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121657401 Date: 20/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/10/1995	जन्म तिथि	13/09/1999
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 18:44:00	जन्म समय	20:15:00 घंटे
घटी 32:12:57	जन्म समय(घटी)	36:20:04 घटी
India	देश	India
Varanasi	स्थान	Varanasi
25:20:00 उत्तर	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:49	सूर्योदय	05:42:58
17:43:18	सूर्यास्त	18:04:50
23:47:59	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:57

मेष	लग्न	मेष
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मकर	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
श्रवण	नक्षत्र	स्वाति
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	2
सुकर्मा	योग	ऐन्द्र
गर	करण	विष्टि
खी-खिलावन	जन्म नामाक्षर	रे-रेणुका
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
वानर	योनि	महिष
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 8वर्ष 9मा 12दि		07:19:08	मेष	लग्न	मेष	11:12:47	राहु 13वर्ष 5मा 1दि	
राहु		16:03:31	कन्या	सूर्य	सिंह	26:31:20	गुरु	
17/07/2011		11:37:11	मक	चंद्र	तुला	10:03:35	13/02/2013	
16/07/2029		23:59:33	तुला	मंगल	वृश्चि	13:03:45	13/02/2029	
राहु	29/03/2014	19:16:12	कन्या व	बुध	कन्या	00:55:57	गुरु	03/04/2015
गुरु	22/08/2016	17:03:25	वृश्चि	गुरु व	मेष	10:30:28	शनि	14/10/2017
शनि	29/06/2019	27:46:18	कन्या	शुक्र	कर्क	25:04:06	बुध	20/01/2020
बुध	15/01/2022	26:07:32	कुंभ व	शनि व	मेष	23:08:39	केतु	26/12/2020
केतु	02/02/2023	02:48:18	तुला व	राहु व	कर्क	18:27:24	शुक्र	27/08/2023
शुक्र	02/02/2026	02:48:18	मेष व	केतु व	मक	18:27:24	सूर्य	14/06/2024
सूर्य	28/12/2026	02:43:47	मक व	हर्ष व	मक	19:37:48	चन्द्र	14/10/2025
चन्द्र	28/06/2028	28:58:30	धनु व	नेप व	मक	07:59:07	मंगल	20/09/2026
मंगल	16/07/2029	04:51:53	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:04:06	राहु	13/02/2029

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:59 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:57

लग्न-चलित

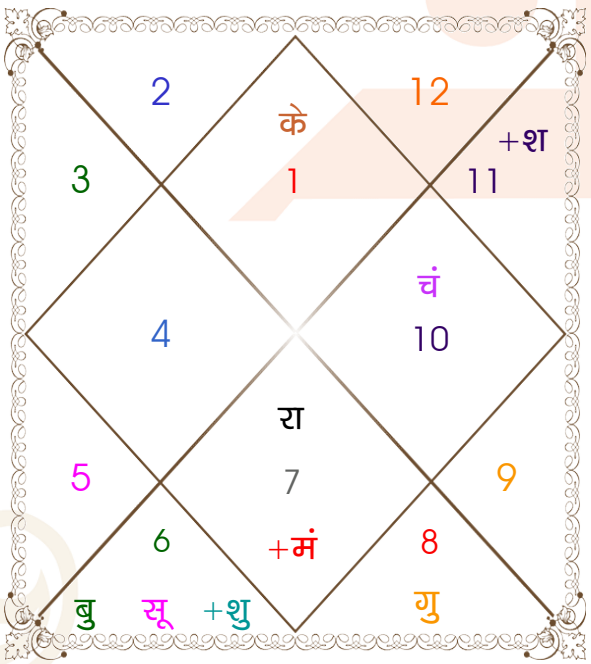

लग्न-चलित

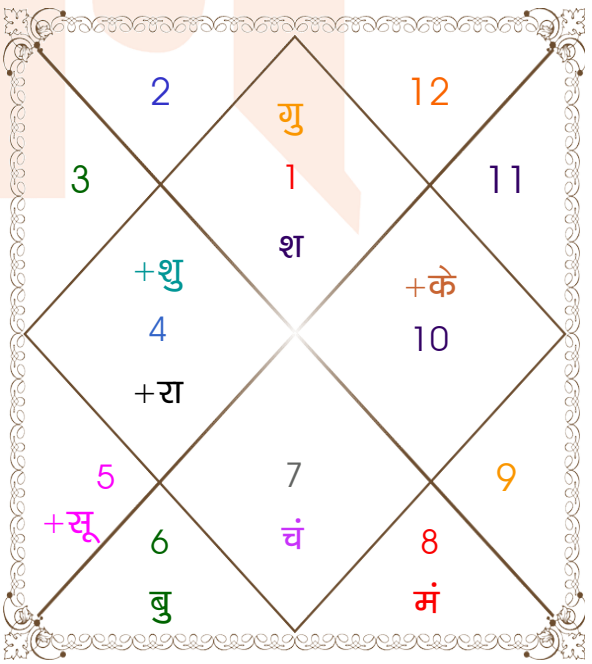

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

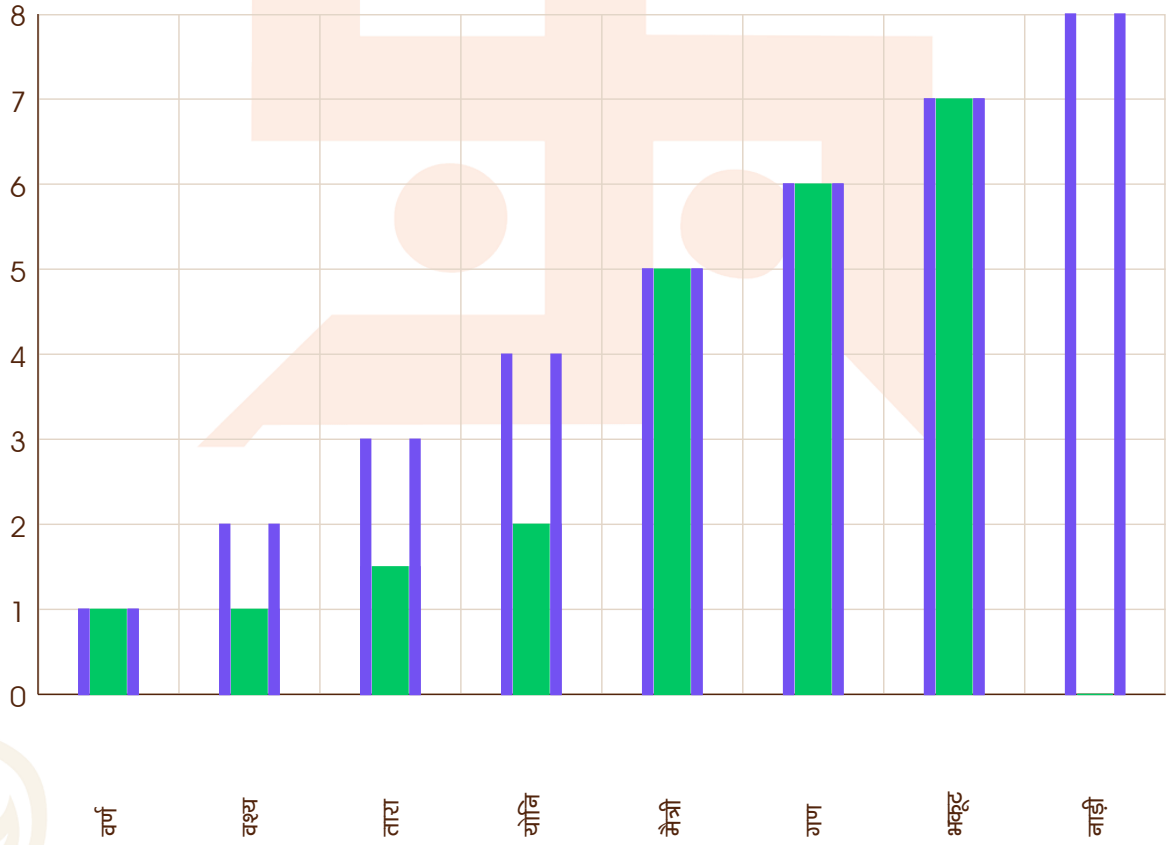

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ैंतजी टपातंउ ैपदही का नक्षत्र श्रवण है।

ैंतजी टपातंउ ैपदही का वर्ग मार्जार है तथा Akansha singh का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ैंतजी टपातंउ ैपदही और Akansha singh का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ैंतजी टपातंउ ैपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ैंतजी टपातंउ ैपदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Akansha singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्;थ्डग्ंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Akansha singh कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ैंतजी टपातंउ ैपदही कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैंउंतजी टपातंउै पदही तथा Akansha singh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ँउंतजी टपातंउै पदही का वर्ण वैश्य है तथा Akansha singh का वर्ण शूद्र है। इसमें Akansha singh का वर्णँउंतजी टपातंउै पदही के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Akansha singh अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Akansha singh हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

ँउंतजी टपातंउै पदही का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Akansha singh का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार ँउंतजी टपातंउै पदही एवं Akansha singh एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Akansha singh क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

ँउंतजी टपातंउै पदही की तारा मित्र तथा Akansha singh की तारा विपत है। Akansha singh की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान ँउंतजी टपातंउै पदही एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Akansha singh का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

ँउंतजी टपातंउै पदही की योनि वानर है तथा Akansha singh की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ँउंतजी टपातंउै पदही एवं Akansha singh दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ँउंतजी टपातंउै पदही एवं Akansha singh के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ँउंतजी टपातंउै पदही एवं Akansha singh जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ँउंतजी टपातंउै पदही का गण देव तथा Akansha singh का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

ँउंतजी टपातंउै पदही से Akansha singh की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Akansha singh से ँउंतजी टपातंउै पदही की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ँउंतजी टपातंउै पदही एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Akansha singh को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Akansha singh

हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

ँउंतजी टपातंउ ैपदही की नाड़ी अन्त्य है तथा Akansha singh की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है।ँउंतजी टपातंउ ैपदही एवं Akansha singh की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

ँउंतजी टपातंउै पदही की जन्मराशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Akansha singh की राशि वायुतत्व युक्त तुला राशि है। भूमि और वायु में नैसर्गिक विषमता होने के कारण यद्यपि इनमें स्वभावगत विषमताएं विद्यमान रहेंगी परन्तु सामंजस्य तथा बुद्धिमता से अनुकूल संबंध बनाने में सहायता प्राप्त हो सकती है। अतः यह मिलान सामान्य से अच्छा रहेगा।

ँउंतजी टपातंउै पदही की राशि का स्वामी शनि तथा Akansha singh की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र भाव में पड़ती हैं अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के लिए मन में प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। ँउंतजी टपातंउै पदही और Akansha singh परस्पर गुणों की प्रशंसा तथा सच्चे मित्र की भांति अव गुणों की उपेक्षा करेंगे। इससे जीवन सुखमय रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति त्याग की भावना विद्यमान होगी।

ँउंतजी टपातंउै पदही और Akansha singh की राशियां परस्पर दशम तथा चतुर्थ भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से दोनों एक दूसरे के लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा जीवन में भौतिक सुख साधनों को अर्जित करके सुखपूर्वक उनका उपभोग करेंगे। वे एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान प्रदान करेंगे एवं किसी के भी मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। फलतः आपस में विश्वास का भाव रहेगा एवं प्रसन्नतापूर्वक दाम्पत्य जीवन का उपभोग करने में समर्थ होंगे।

ँउंतजी टपातंउै पदही का वश्य जलचर तथा Akansha singh का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताओं में भी अन्तर रहेगा। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफल होंगे।

ँउंतजी टपातंउै पदही का वर्ण वैश्य तथा Akansha singh का वर्ण शूद्र है। अतः ँउंतजी टपातंउै पदही की प्रवृति धनार्जन में अधिक रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे। लेकिन Akansha singh किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी फलतः कार्य क्षेत्र की उन्नति सन्तोषप्रद रहेगी।

धन

ँउंतजी टपातंउै पदही और Akansha singh दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ँउंतजी टपातंउै पदही और Akansha singh दोनों का जन्म अन्त्य नाड़ी में हुआ है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रबल प्रभाव रहेगा जिससे Akansha singh का स्वास्थ्य प्रभावित होगा तथा ठण्ड, कफ तथा खांसी आदि से उन्हें समय समय पर परेशानी की अनुभूति होगी। साथ ही गले से संबंधित कष्ट भी हो सकता है। मंगल का भी दोनों के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होने से वे धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे तथा Akansha singh के गर्भपात की संभावना भी रहेगी एवंँउंतजी टपातंउै पदही हृदय रोग से असुविधा प्राप्त करेंगे। इस प्रकार मंगल एवं नाड़ी दोष के प्रभाव को देखकर मिलान नहीं करना चाहिए तथापि इसके प्रभाव को अल्प करने के लिएँउंतजी टपातंउै पदही और Akansha singh दोनों को हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि सेँउंतजी टपातंउै पदही और Akansha singh का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्तँउंतजी टपातंउै पदही और Akansha singh के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Akansha singh के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Akansha singh को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Akansha singh को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष सेँउंतजी टपातंउै पदही और Akansha singh सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकारँउंतजी टपातंउै पदही और Akansha singh का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Akansha singh तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं

होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Akansha singh धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Akansha singh के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Akansha singh का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

ैंउंतजी टपातंउै पदही के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि ैंउंतजी टपातंउै पदही तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप सेैंउंतजी टपातंउै पदही के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।